150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

रमेश पोखरियाल 'निशंक'
Ramesh Pokhriyal 'Nishank'

सत्यमेव जयते

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF EDUCATION
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

एक शिक्षक हमारे जीवन का मित्र और मार्गदर्शक होता है जो हमें अच्छे संस्कार देता है। शिक्षक छात्रों को ज़िम्मेदार नागरिकों में बदलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। शिक्षक हम सब के जीवन में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस एक विशेष दिन है जब उनके बहुमूल्य योगदान के लिए हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं, उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं।

इस शिक्षक दिवस पर यह याद करने के लिए उपयुक्त है कि संस्कृत शब्द गुरु में 'गु' का अर्थ है "अंधेरा" और 'रु' का अर्थ है "पदच्युत", 'मन' का अर्थ है "सोचना" और 'त्र' का अर्थ है "मुक्त करना"। इसलिए गुरु का अर्थ है अंधकार का निवारण करने वाला और 'गुरु मंत्र' मुक्ति का एक साधन है। भारतीय वाङ्गमय में गुरु का स्थान सर्वोपरि है –

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः
गुरु साक्षात परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नमः

अर्थात् "गुरु ही सृष्टिकर्ता (ब्रह्मा) है, गुरु ही प्रेक्षक (विष्णु) है, गुरुदेव ही विनाशक (महेश्वरा) है, गुरु ही ईश्वर (एक परम शक्ति) है, स्वयं उस श्री गुरु को नमस्कार"।

भारत में शिक्षक दिवस एक महान शिक्षक, राजनेता, विद्वान, दार्शनिक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के शुभ अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर मैं सभी शिक्षकों को उनके अपार योगदान के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

(रमेश पोखरियाल 'निशंक')

Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115
Phone : 91-11-23782387, 23782698, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.hrd@gov.in